INSTITUTE OF DISTANCE EDUCATION
JIWAJI UNIVERSITY
Gwalior, MP

पेपर-I

# यूरोप का इतिहास (१८७१-१९१९ ई. तक)

# ;jki dk bfrgkl

# ¼1871&1919 b/- rd½

Paper I

INSTITUTE OF DISTANCE EDUCATION
**JIWAJI UNIVERSITY**
Gwalior, MP

# Syllabus

## ;jki dk bfrgkl ¼1871&1919½

| | |
|---|---|
| bdkb iFke | • विस्मार्क – गृह, विदेश तथा औपनिवेशक नीतियां, कैसर विलियम द्वितीय एवं विश्व राजनीति (1890–1914) |
| bdkb }rh; | • फ्रांस का तृतीय गणतंत्र, घरेलू समस्यायें व विदेशनीति, 1871–1914 के मध्य इटली की गृह तथा विदेश नीतियां, अफ्रीका में उपनिवेशवाद। |
| bdkb r'rh; | • 1870 से 1914 के मध्य यूरोप में कूटनीतिक सम्बंध :– जर्मन आस्ट्रिय संधि 1879, त्रिराष्ट्र संधि 1882, आंग्ल जापान संधि 1902, द्विराष्ट्र संधि 1894, त्रिराष्ट्र संधि 1907। |
| bdkb prFk | • रूस का इतिहास 1871–1914, रूस जापान युद्ध 1905, रूस की क्रांति 1917, रूस–जर्मनी सम्बन्ध (1879–1914) |
| bdkb ipe | • पूर्वी समस्या 1871–1914, वर्लिन कांग्रेस 1879, रूस आस्टिगन प्रतिद्वन्दिता 1873–1905, युवा तुर्क आन्दोलन प्रथम, द्वितीय बालकान युद्ध उनकी विश्व युद्ध में भूमिका, प्रथम विश्व युद्ध के कारण उत्तरदायित्व। |

vu|lf'kr xiFk&


1. राजीव नयन प्रसाद – आधुनिक यूरोप का इतिहास
2. जार्ज वनाण्टिकी – रूस का इतिहास
3. विमलचन्द्र – यूरोप का इतिहास
4. देवेन्द्र सिंह चौहान – 1. यूरोप का इतिहास 2. समकालीन यूरोप का इतिहास
5. बी.एन. मेहता – यूरोप का इतिहास भाग–2
6. सी.डी. हेजन – यूरोप का इतिहास

# Contents

## ;jki dk bfrgkl ¼1871&1919½


| | | | |
|---|---|---|---|
| bdkbZ iFke | अध्याय 1 | : | गृह, विदेश तथा औपनिवेशक नीतियां |
| | अध्याय 2 | : | कैसर विलियम द्वितीय एवं विश्व राजनीति |
| bdkbZ }rh; | अध्याय 3 | : | फ्रांस का तृतीय गणतंत्र |
| | अध्याय 4 | : | घरेलू समस्यायें व विदेशनीति, 1871–1914 |
| | अध्याय 5 | : | इटली की गृह तथा विदेश नीतियां |
| | अध्याय 6 | : | अफ्रीका में उपनिवेशवाद। |
| bdkbZ r`rh; | अध्याय 7 | : | जर्मन आस्ट्रिय संधि 1879 |
| | अध्याय 8 | : | त्रिराष्ट्र संधि 1882 |
| | अध्याय 9 | : | आंग्ल जापान संधि 1902 |
| | अध्याय 10 | : | द्विराष्ट्र संधि 1894 |
| | अध्याय 11 | : | त्रिराष्ट्र संधि 1907 |
| bdkbZ prqFkZ | अध्याय 12 | : | रूस का इतिहास 1871–1914 |
| | अध्याय 13 | : | रूस जापान युद्ध 1905 |
| | अध्याय 14 | : | रूस की क्रांति 1917 |
| | अध्याय 15 | : | रूस–जर्मनी सम्बन्ध (1879–1914) |
| bdkbZ iape | अध्याय 16 | : | पूर्वी समस्या 1871–1914 |
| | अध्याय 17 | : | वर्लिन कांग्रेस 1879 |
| | अध्याय 18 | : | रूस आस्टिगन प्रतिद्वन्दिता 1873–1905 |
| | अध्याय 19 | : | युवा तुर्क आन्दोलन |
| | अध्याय 20 | : | प्रथम, द्वितीय बालकान युद्ध उनकी विश्व युद्ध में भूमिका |
| | अध्याय 21 | : | प्रथम विश्व युद्ध के कारण उत्तरदायित्व |

# Hkkjrh; jk"Vªh; vkUnksyu dk bfrgkl

## ¼1858&1947 b-½

Paper II

INSTITUTE OF DISTANCE EDUCATION
**JIWAJI UNIVERSITY**
Gwalior, MP

# Syllabus

## Hkkjrh; jk"Vªh; vkUnksyu dk bfrgkl
## ¼1858&1947 rd½

| | |
|---|---|
| bdkbl iFke | • 1858 की महारानी विक्टोरिया का घोषणा पत्र और उसका महत्व। 1858 से 1885 तक राष्ट्रीय जाग्रति एवं कांग्रेस स्थापना के लिए उत्तरदायी परिस्थितियाँ।<br>• 19वीं शताब्दी में पुर्नजागरण, सामाजिक एवं धार्मिक आन्दोलन।<br>• कांग्रेस का जन्म व उद्देश्य, 1885 से 1905 तक उदारवादी कांग्रेस गोखले। |
| bdkbl }rh; | • भारतीय राजनीति में उग्रवाद का प्रवेश, अंग विभाजन 1905 और सूरत फूट 1907, लोकमान्य तिलक। भारत और विदेशों से क्रांतिकारी आन्दोलन। |
| bdkbl r`rh; | • गृह शासन आन्दोलन एवं अन्य सामाजिक राजनैतिक संगठनों को राष्ट्रीय आन्दोलन में भूमिका, (कृषक, हिन्दू महासभा, रा. स. संघ एवं अकाकलयों की भूमिका) |
| bdkbl prFk | • राष्ट्रीय आन्दोलन और गांधी युग, रालेक्ट एक्ट, जलियावाला बाग कांड, असहयोग आन्दोलन और खिलाफत आन्दोलन, स्वराज दल। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का उदभव और विकास सिद्धांत योजना तथा राष्ट्रोत्थान में योगदान। साइमन कमीशन, सविनय अवज्ञा आन्दोलन, गोलमेज सम्मेलन और क्रिप्समिशन की असफलता। 1942 का भारत छोड़ो आन्दोलन। |
| bdkbl ipe | • सुभाष और आजाद हिन्द फौज<br>• कैबीनेट मिशन, मुस्लिम लीग की भारत विभाजन की मांग और उसके प्रथामित भारत विभाजन की परिस्थितियाँ एवं स्वतंत्रता अधिनियम महात्मा गांधी, नेहरू, पटेल, जयप्रकाश नारायण। |

vu|lf'kr xiFk&

1. विपिनचन्द्र पाल – स्वतंत्रता आन्दोलन का इतिहास
2. दत्तोपंत तेगड़ी – संके रेखा
3. एच.वी. त्रिपाठी – और देश बट गया
4. एस.एस. नागौरी – भारत का राष्ट्रीय आन्दोलन
5. मधु लिमये – धर्म, राजनीति और राजस्व संघ परिवार

# Contents

## Hkkjrh; jk"Vªh; vkUnksyu dk bfrgkl
## ¼1858&1947 rd½


| | | | |
|---|---|---|---|
| bdkbZ iFke | अध्याय 1 | : | 1858 की महारानी विक्टोरिया का घोषणा पत्र और उसका महत्व |
| | अध्याय 2 | : | 1858 से 1885 तक राष्ट्रीय |
| | अध्याय 3 | : | 19वीं शताब्दी में पुर्नजागरण |
| | अध्याय 4 | : | सामाजिक एवं धार्मिक आन्दोलन |
| | अध्याय 5 | : | कांग्रेस का जन्म व उद्देश्य |
| | अध्याय 6 | : | 1885 से 1905 तक उदारवादी कांग्रेस |
| bdkbZ }rh; | अध्याय 7 | : | भारतीय राजनीति में उग्रवाद का प्रवेश |
| | अध्याय 8 | : | अंग विभाजन 1905 और सूरत फूट 1907 लोकमान्य तिलक |
| | अध्याय 9 | : | भारत और विदेशों से क्रांतिकारी आन्दोलन |
| bdkbZ r`rh; | अध्याय 10 | : | गृह शासन आन्दोलन एवं अन्य सामाजिक राजनैतिक संगठन |
| | अध्याय 11 | : | राष्ट्रीय आन्दोलन में भूमिका |
| bdkbZ prqFkZ | अध्याय 12 | : | राष्ट्रीय आन्दोलन और गांधी युग |
| | अध्याय 13 | : | रालेक्ट एक्ट |
| | अध्याय 14 | : | जलियावाला बाग कांड |
| | अध्याय 15 | : | असहयोग आन्दोलन और खिलाफत आन्दोलन |
| | अध्याय 16 | : | राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का उदभव और विकास सिद्धांत योजना |
| | अध्याय 17 | : | साइमन कमीशन |
| | अध्याय 18 | : | सविनय अवज्ञा आन्दोलन |
| | अध्याय 19 | : | गोलमेज सम्मेलन और क्रिप्समिशन की असफलता |
| | अध्याय 20 | : | 1942 का भारत छोड़ो आन्दोलन |
| bdkbZ iape | अध्याय 21 | : | सुभाष और आजाद हिन्द फौज |
| | अध्याय 22 | : | कैबीनेट मिशन |
| | अध्याय 23 | : | मुस्लिम लीग की भारत विभाजन की मांग |
| | अध्याय 24 | : | प्रथामित भारत विभाजन की परिस्थितियाँ |
| | अध्याय 25 | : | स्वतंत्रता अधिनियम महात्मा गांधी, नेहरू, पटेल, जयप्रकाश नारायण |

# ejkBkas dk bfrgkl
# ¼1627 & 1761 bZ- rd½

Paper III

INSTITUTE OF DISTANCE EDUCATION
**JIWAJI UNIVERSITY**
Gwalior, MP

# Syllabus

## ejkBk dk bfrgkl
## ¼1627&1761 rd½

| | |
|---|---|
| bdkbl iFke | • मराठा इतिहास के स्त्रोत, मराठों का उत्थान, महाराष्ट्र में धार्मिक आन्दोलन शारूजी। |
| bdkbl }rh; | • महाराष्ट्र में राष्ट्रीय पुनरूत्थान, शिवाजी का उदय, जवलीकांड, अफजल खाँ और शिवाजी की पुरन्दर की संधि, शिवाजी की आगरा यात्रा, शिवाजी का कर्नाटक अभियान, शिवाजी तथा मुगलों के संबंध। |
| bdkbl r`rh; | • शिवाजी का राज्यभिषेक, प्रशासन, सैलिक संगठन, नाशिक संगठन, चौप और सरदेशमुखी इतिहास के संस्थान व चरित्र। |
| bdkbl prqFkl | • संभाजी और मराठा स्वतंत्रय युद्ध राजाराम, ताराबाई पेशवा बालाजी, विश्वनाथ के उत्थान तथा नीतियों, पेशवा बाजीराव प्रथम और मराठा प्रसार, मराठा निजाम सम्बंध। |
| bdkbl iape | • पेशवा बालाजी उत्तर तथा दक्षिण में नीतियों, पेशेवर भौसले सम्बंध, पेशवा अंग्रेज सम्बंध, मराठा राजपूत सम्बंध, पुर्तगाली सम्बंध, पानीपत का तृतीय युद्ध स्त्रोत, कारण परिणाम। |

vuqlaf'kr xzaFk&


1. जदुनाथ सरकार : शिवाजी,
2. के.जी.एस. सरदेसाई : मराठों का नवीन इतिहास,
3. एन.जी. रानाडे : मराठा शक्ति का उत्थान,
4. शेजवलकर : पानीपत 1951,
5. मथुरालाल शर्मा : मराठों का इतिहास।

# Contents

## ejkBk dk bfrgkl
## ¼1627&1761 rd½


| | | | |
|---|---|---|---|
| bdkb iFke | अध्याय 1 | : | मराठा इतिहास के स्त्रोत |
| | अध्याय 2 | : | मराठों का उत्थान |
| | अध्याय 3 | : | महाराष्ट्र में धार्मिक आन्दोलन |
| bdkb }rh; | अध्याय 4 | : | महाराष्ट्र में राष्ट्रीय पुनरूत्थान |
| | अध्याय 5 | : | शिवाजी का उदय |
| | अध्याय 6 | : | जवलीकांड, अफजल खाँ और शिवाजी की पुरन्दर की संधि |
| | अध्याय 7 | : | शिवाजी की आगरा यात्रा |
| | अध्याय 8 | : | शिवाजी का कर्नाटक अभियान |
| | अध्याय 9 | : | शिवाजी तथा मुगलों के संबंध |
| bdkb r`rh; | अध्याय 10 | : | शिवाजी का राज्यभिषेक |
| | अध्याय 11 | : | प्रशासन, सैलिक संगठन, नाशिक संगठन, चौप और सरदेशमुखी |
| bdkb prFk | अध्याय 12 | : | संभाजी और मराठा स्वतंत्रय युद्ध |
| | अध्याय 13 | : | राजाराम, ताराबाई पेशवा बालाजी, विश्वनाथ के उत्थान |
| | अध्याय 14 | : | बाजीराव प्रथम और मराठा प्रसार, मराठा निजाम सम्बंध |
| bdkb ipe | अध्याय 15 | : | पेशवा बालाजी उत्तर |
| | अध्याय 16 | : | दक्षिण में नीतिया |
| | अध्याय 17 | : | पेशेवर भौसले सम्बंध |
| | अध्याय 18 | : | पेशवा अंग्रेज सम्बंध |
| | अध्याय 19 | : | मराठा राजपूत सम्बंध |
| | अध्याय 20 | : | पुर्तगाली सम्बंध |
| | अध्याय 21 | : | पानीपत का तृतीय युद्ध |

# vUrjk"Vªh; lEca/k

## ¼1919 & 1945 bZ- rd½

Paper IV

INSTITUTE OF DISTANCE EDUCATION
**JIWAJI UNIVERSITY**
Gwalior, MP

# Syllabus

## vUrjk"Vªh; lEca/k
## ¼1919 & 1945 rd½

| | |
|---|---|
| bdkbZ izFke | • शांति सम्मेलन एवं संधियां, वार्ता एवं संधि, राष्ट्र संघ एवं विल्सन की चौदह सुत्री योजना। |
| bdkbZ f}rh; | • युद्ध क्षतिपूर्ति की समस्या, युद्ध ऋण निशस्त्रीकरण, आर्थिक मंदी सुरक्षा की खोज (राष्ट्र संघ के अन्तर्गत तथा बाहर) |
| bdkbZ r`rh; | • बाइमर गणतंत्र की विदेश नीति, इटली में फासिस्टवाद का उत्थान, मुसोलिनी की विदेश नीति, जर्मन में नीजिवाद उत्थान, हिटलर की विदेश नीति, स्पेन का गृह युद्ध। |
| bdkbZ prqFkZ | • ब्रिटेन की विदेश नीति, अमेरिका की विदेश नीति, सोबियत रूस की विदेश नीति, फ्रांस की विदेश नीति। |
| bdkbZ iape | • सूदूरपूर्व जापान और चीन, मध्यपूर्व द्वितीय महायुद्ध के कारण, संयुक्त रक्षा व्यवस्था की असफलता, शीत युद्ध संयुक्त राष्ट्र संघ (यू.एन.ओ.) की स्थापना और उद्देश्य प्रमुख (महासभा सुरक्षा परिषद् अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय आर्थिक सामाजिक परिषद् संरक्षक समिति, सचिवालय तथा अन्य संस्थायें) संयुक्त राष्ट्र संघ की विश्व शांति में भूमिका। |

vuqlaf'kr xzaFk&


1. डॉ रामसखा कौलु – संयुक्त राष्ट्र
2. सिडनी डी.के.ला. – संयुक्त राष्ट्र
3. मथुरालाल शर्मा – अन्तर्राष्ट्रीय सम्बंध
4. ब्लाइड आर.पी. – साम्यवादी चीन की विदेशनीति
5. श्रीराम शर्मा – भारतीय विदेश नीति
6. सत्यकेतु विधालंकार – एशिया का इतिहास

# Contents

## vUrjk"Vªh; lEcU/k
## ¼1919 & 1945 rd½


| | | | |
|---|---|---|---|
| bdkbZ izFke | अध्याय 1 | : | शांति सम्मेलन एवं संधियां |
| | अध्याय 2 | : | वार्ता एवं संधि |
| | अध्याय 3 | : | राष्ट्र संघ एवं विल्सन की चौदह सुत्री योजना |
| bdkbZ }rh; | अध्याय 4 | : | युद्ध क्षतिपूर्ति की समस्या |
| | अध्याय 5 | : | युद्ध ऋण निशस्त्रीकरण |
| | अध्याय 6 | : | आर्थिक मंदी सुरक्षा की खोज |
| bdkbZ r`rh; | अध्याय 7 | : | बाइमर गणतंत्र की विदेश नीति |
| | अध्याय 8 | : | इटली में फासिस्टवाद का उत्थान |
| | अध्याय 9 | : | मुसोलिनी की विदेश नीति |
| | अध्याय 10 | : | जर्मन में नीजिवाद उत्थान |
| | अध्याय 11 | : | हिटलर की विदेश नीति |
| | अध्याय 12 | : | स्पेन का गृह युद्ध |
| bdkbZ prqFkZ | अध्याय 13 | : | ब्रिटेन की विदेश नीति |
| | अध्याय 14 | : | अमेरिका की विदेश नीति |
| | अध्याय 15 | : | सोबियत रूस की विदेश नीति |
| | अध्याय 16 | : | फ्रांस की विदेश नीति |
| bdkbZ iape | अध्याय 17 | : | सूदूरपूर्व जापान और चीन |
| | अध्याय 18 | : | मध्यपूर्व द्वितीय महायुद्ध के कारण, संयुक्त रक्षा व्यवस्था की असफलता |
| | अध्याय 19 | : | शीत युद्ध संयुक्त राष्ट्र संघ (यू.एन.ओ.) की स्थापना |
| | अध्याय 20 | : | अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय आर्थिक सामाजिक परिषद् संरक्षक समिति |
| | अध्याय 21 | : | संयुक्त राष्ट्र संघ की विश्व शांति में भूमिका |

Published by:
Registrar
**Jiwaji University, Gwalior**
(Established in 1964)
जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (स्थापना वर्ष 1964)
***NAAC Accredited 'A' Grade University***
http://www.jiwaji.edu
http://www.jiwaji.edu/dis_edu_about.asp